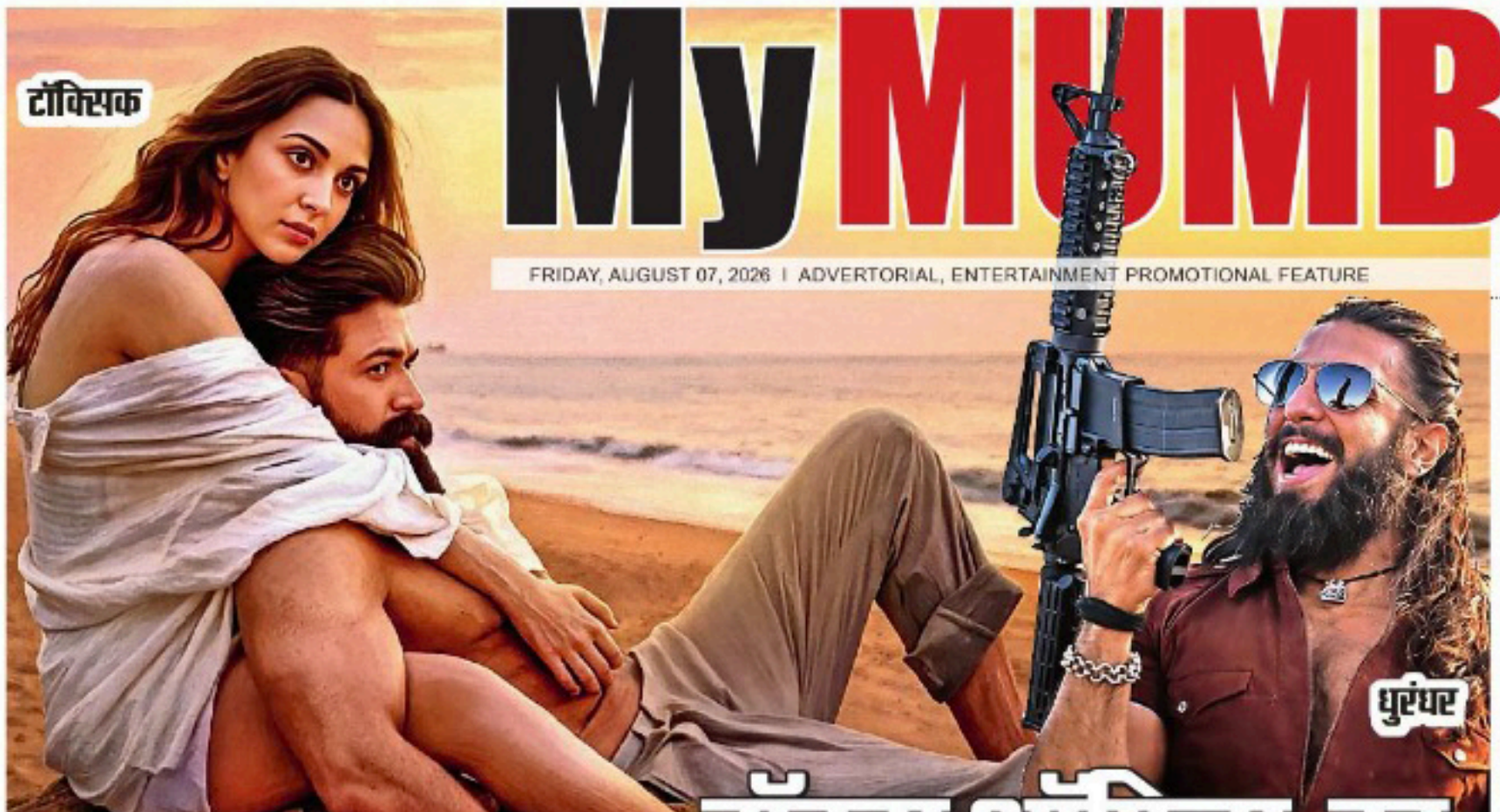
My MUMBAI

FRIDAY, AUGUST 07, 2026 I ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE



बॉक्स ऑफिस का अगला 'धुरंधर' कौन?

प्रशांत जैन

साल 2026 की पहली छमाही में बॉक्स ऑफिस पर रेकॉर्ड 2400 करोड़ की कमाई हुई जिसमें अकेले धुरंधर 2 ने 1100 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की। वहीं बॉर्डर 2 ने भी 300 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए। इस दौरान भूत बंगला और वेलकम टु जंगल 100 करोड़ क्लब में पहुंचीं। वहीं जुलाई में हॉलिवुड की ओडिसी और स्पाइडरमैन ब्रैंड न्यू डे ने कमाल किया। जबकि धमाल 4 ने भी टीकटाक प्रदर्शन किया। अब हर किसी की निगाहें इस पर है कि आने वाले दिनों में कौन सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर साल की अगली 'धुरंधर' बनेगी।

टॉक्सिक से लेकर दृश्यम तक

अगले कुछ महीनों में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्मों की बात करें, तो इनमें सबसे पहले सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 इसी स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की ओर से जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला है। वहीं अगस्त के आखिरी हफ्ते में यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक रिलीज होगी। दो बार पोस्टपोन हो चुकी इस फिल्म का फैंस को बहुत इंतजार है। वहीं अक्टूबर के पहले हफ्ते में अजय देवगन की सुपरहिट दृश्यम फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म दृश्यम 3 पर्दे पर आएगी। प्रोड्यूसर व फिल्म बिजनेस एनालिस्ट गिरीश जौहर कहते हैं कि इस साल धुरंधर 2 और बॉर्डर 2 के अलावा किसी फिल्म ने बंपर कमाई नहीं की। उम्मीद है कि बंटवारा 1947, टॉक्सिक, दृश्यम 3 जैसी फिल्में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। वहीं रामायण और किंग से भी बहुत उम्मीदें हैं।

नवंबर-दिसंबर में बड़ा दांव

साल के आखिरी दो महीनों में बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। नवंबर में दिवाली पर रणबीर कपूर और यश की रामायण का पहला भाग रिलीज होगा। इस मेगा बजट फिल्म के ट्रेलर दर्शकों से मिक्स रिस्पांस मिला है। वहीं क्रिसमस पर शाहरुख खान की किंग की रिलीज तय है। बेशक तीन सालों से फिल्मी पर्दे दूर शाहरुख के फैंस को उनका इंतजार है। बॉलिवुड के अलावा दिसंबर में हॉलिवुड की भी सबसे बड़ी फिल्में एवेंजर्स डूम्सडे और इथन 3 रिलीज होंगी।

स्पाइडरमैन ब्रैंड न्यू डे ने पहले हफ्ते में करीब ₹330 करोड़ रुपए की कमाई की है।



"उम्मीद है कि साल के सेकंड हाफ में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्में अच्छा करेंगी। - गिरीश जौहर, प्रोड्यूसर व फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

ब्रैंड वैल्यू में सबसे महंगे सितारे बने शाहरुख





शाहरुख खान 2025 की सिलेब्रिटी ब्रैंड वैल्यू रैंकिंग में भारत के सबसे महंगे सिलेब्रिटी बन गए हैं। उन्होंने पिछले साल शीर्ष पर रहे क्रिकेटर विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। Kro-II की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख की अनुमानित ब्रैंड वैल्यू 17.79 करोड़ डॉलर (177.9 मिलियन डॉलर) है। वहीं रणवीर सिंह 16.29 करोड़ डॉलर (162.9 मिलियन डॉलर) की ब्रैंड वैल्यू के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं विराट कोहली तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। सचिन और धोनी चौथे और पांचवें व आलिया भट्ट छठे स्थान पर हैं।

'जन्मदिन पर मिला राष्ट्रीय पुरस्कार का तोहफा'

@tusharhiranandani



रेखा खान

एक समय क्लैपर बॉय रहे तुषार हीरानंदानी ने कभी सोचा नहीं था कि उनकी दूसरी ही फिल्म को नैशनल अवॉर्ड का गौरव प्राप्त होगा। हम बात कर रहे हैं लेखक-निर्देशक तुषार हीरानंदानी की, जिनकी फिल्म श्रीकांत को हाल ही में बेस्ट हिंदी फीचर फिल्म का नैशनल अवॉर्ड मिला है। मस्ती, हाफ गर्लफ्रेंड, एक विलेन जैसी कई फिल्में लिख चुके तुषार अपनी निर्माता पत्नी निधि परमार हीरानंदानी को अपने सफर का पूरा श्रेय देते हैं। इससे पहले ये दोनों ही सांड की आंख जैसी चर्चित फिल्म बना चुके हैं। उनसे खास बातचीत।

अवॉर्ड पर राजकुमार राव खुश थे

जिस वक्त राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा हुए, उस वक्त तुषार हीरानंदानी गोवा में अपना बर्थडे मना रहे थे। वे कहते हैं, "जन्मदिन की बधाइयों के साथ नैशनल अवॉर्ड का तोहफा मिला। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि हंसू, रोऊं या चिल्लाऊं। निधि तो एकदम से स्पीचलेस हो ही गई थी। सबसे खास बधाई फिल्मकार सूरज बड़जात्या की तरफ से आई। हमारी पूरी टीम के लिए यह उपलब्धि है। शरद केलकर ने तो यह फिल्म मात्र एक रुपए में की थी, मगर राज (राजकुमार राव) का बहुत योगदान रहा। स्वाभाविक रूप से राज भी चाहता था कि उसे भी अवॉर्ड मिलता, लेकिन बेस्ट फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर वह भी बहुत खुश था।'

आज हर किसी के पास राय है

बीते कुछ सालों से इन्हें लेकर विवाद भी हुए हैं। इस मुद्दे पर तुषार कहते हैं, "पहले सोशल मीडिया नहीं था। अगर किसी को अपनी राय रखनी भी होती थी तो वह दोस्तों या परिवार तक ही सीमित रहती थी। आज हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है और हर किसी के पास अपनी बात पूरी दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम है। इसलिए अब हर फैसले पर तुरंत प्रतिक्रियाएं दिखाई देती हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार पूरे देश की ओर से मिलने वाला सम्मान है, इसलिए इसकी अपनी अलग गरिमा है।

कई लोग सालों से अंडरपेड हैं

बिग बजट फिल्मों को बॉक्स ऑफिस रिकवरी न होने को स्टार्स की भारी-भरकम फीस माना जा रहा है, पर निधि परमार हीरानंदानी कहती हैं, "बिल्कुल सही है। हालांकि अब काफी कलाकारों ने अपनी फीस को लेकर फ्लेक्सिबिलिटी दिखानी शुरू की है। लेकिन भारत में बॉक्स ऑफिस काफी हद तक स्टार्स पर निर्भर करता है। हां, इससे बजट पर बोझ जरूर पड़ता है। लेकिन अब कई कलाकार फ्रंट-एंड फीस कम लेकर बैक-एंड शेयरिंग पर काम करते हैं। अगर फिल्म चलेगी तो उन्हें उसका फायदा मिलेगा। सिर्फ कलाकारों की फीस ही मुद्दा नहीं है। कुछ लोग सालों से अंडरपेड हैं और कुछ ओवरपेड। इसमें बैलेंस बनना बहुत जरूरी है।'

अहान-अनीत ने एक्साइट किया

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद क्या तुषार बिग बी या किन्हीं खास कलाकारों संग काम करना चाहेंगे? इस पर वे कहते हैं, "नैशनल अवॉर्ड मिलने के बाद जिम्मेदारी बढ़ गई है। व्यक्तिगत तौर पर हाल के समय में अहान और अनीत ने मुझे काफी एक्साइट किया है। लेकिन जहां तक बच्चन साहब या बड़े कलाकारों की बात है, हम किसी अभिनेता को ध्यान में रखकर कहानी नहीं लिख सकते। पहले कहानी आती है, फिर उस किरदार। उसके बाद अगर कोई बड़ा स्टार उसमें फिट बैठता है तो बेस्ट।'

इंसान और डॉग्स के रिश्ते पर बनी भावुक फिल्म

Upma.Singh@timesofindia.com



डॉग और इंसान की दोस्ती पर बॉलिवुड में तेरी मेहरबानियां, हैलो, चिल्लर पार्टी जैसी गिनी-चुनी फिल्में ही बनी हैं। ऐसे में, फिल्मकार अमित राय की फिल्म ओह माय डॉग इस फेहरिस्त की एक मजबूत कड़ी है। यह इंसान और डॉग्स के रिश्ते पर बनी भावुक और संवेदनशील फिल्म है, जिसमें इन बेजुबानों की वफादारी को सलामी देते हुए उनके प्रति करुणा और नर्मी दिखाने की सीख दी गई है।

कहानी दो अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग पृष्ठभूमि के दो बच्चों और उनके डॉगी की है। एक तरफ असम में टेक्नोलॉजी के धुरंधर अप्पू (माही राय) और उसके डॉगी मेमो (ऑस्कर) का प्यारा रिश्ता है, तो दूसरी ओर बिहार में एक बाल मजदूर प्रिंस (निखिल कुमार) और उसके डॉगी ऑस्कर (ब्रूनो) के बीच उतना ही प्यार है। इधर मेमो अचानक लापता हो जाता है, तो उधर प्रिंस। पुलिस दोनों ही मामले में हाथ खड़ा कर देती है, लेकिन अप्पू अपने मेमो और ऑस्कर अपने मालिक प्रिंस को ढूंढने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देता है। क्या वे अपनी इस कोशिश में कामयाब हो पाते हैं? आखिर मेमो और प्रिंस के गायब होने की वजह क्या होती है? यह जानने के लिए आपको थिएटर का रुख करना होगा।

फिल्म: ओह माय डॉग
रेटिंग
★★★☆☆
निर्देशक: अमित राय
कलाकार: माही राय, पंकज त्रिपाठी, पवन मल्होत्रा, राजेश कुमार, गीता अग्रवाल, श्रीधर दुबे आदि।
अवधि: 2 घंटा 30 मिनट
जॉनर: फैमिली ड्रामा

लेखक-निर्देशक अमित राय की कहानी दमदार है। उन्होंने कई स्तर पर लोगों की संवेदना झकझोरने की कोशिश की है। पशु प्रेम और के साथ उन्होंने मानव और जानवर तस्करी दोनों को ही समझदारी से कहानी में पिरोया है। साथ ही इन बेजुबानों के प्रति क्रूएलिटी को जिस तरह पटाखों के इस्तेमाल से लेकर डॉग मीट रैकेट के खुलासे से पुरजोर तरीके से दिखाया गया है, वह सोचने पर मजबूर करता है। इसके अलावा, लालच इंसान को कितना अंधा कर देती है कि वह मजबूरों के अंगों का सौदा करने से भी नहीं हिचकता, गरीबी इंसान को कितना मजबूर बना देती है कि एक पिता अपने बच्चे की किडनी पर 20 हजार रुपये को तरजीह दे सकता है, फिल्म ऐसे कई मुद्दे प्रभावी ढंग से उठाती है। वहीं, जिस तरह उन्होंने डॉग्स से अभिनय करवाया है, उसके लिए भी उनकी तारीफ बनती है। हालांकि, पटकथा में यह थोड़े चूक गए हैं। पटकथा में वह कसावट नहीं है, जिससे फर्स्ट हाफ धीमा लगता है। खासकर, चेज सीक्वेंस काफी लंबे लगते हैं। इस दौरान कहानी में एक ठहराव महसूस होता है। तार्किकता की क्वॉलिटी पर भी फिल्म कई बार खरी नहीं उतरती। प्रॉडक्शन वैल्यू में भी गुंजाइश रहती है।

वहीं, बात करें अभिनय की तो माही और ऑस्कर फिल्म की जान हैं। दोनों ने कमाल का काम किया है। तेज तर्रार अप्पू के रूप में माही जहां चेहरे पर मुस्कान लाते हैं तो ऑस्कर के इमोशन भावुक करते हैं। इनके अलावा, बाकी कलाकारों में पवन मल्होत्रा, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल, श्रीधर दुबे, गौतम आदि जरूरी सहयोग देते हैं। जबकि, राजेश कुमार थोड़े लाउड लगे हैं। कुल मिलाकर, फिल्म को आधा घंटा कसा गया होता तो बढ़िया होता, फिर भी नेक नीयत और संदेश वाली यह पारिवारिक फिल्म देखी जानी चाहिए।

क्यों देखें: इंसानों और जानवरों के बीच खूबसूरत रिश्ते और अच्छे मेसेज के लिए।

'डांस को ताकत मानती हूं'



तमन्ना भाटिया का कहना है कि उन्होंने कभी डांस की औपचारिक या शास्त्रीय ट्रेनिंग नहीं ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए कम समय में बड़े-बड़े गानों की शूटिंग करनी पड़ती थी और यहीं से उन्होंने डांस सीखा। उनका कहना है कि शुरुआत में जो मजबूरी थी, वही आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गई। आज की रात जैसे हिट गाने देने वालीं तमन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने कभी क्लासिकल डांस नहीं सीखा। डांस मेरे लिए सर्वाइवल स्किल बन गया था। जब मैं टीनेज उम्र में साउथ फिल्मों में काम कर रही थी, तब बड़े गानों की शूटिंग के लिए रिहर्सल का समय ही नहीं मिलता था। सेट तैयार रहते थे, सैकड़ों लोग इंतजार कर रहे होते थे। वहां घबराने का समय नहीं होता था, सिर्फ सीखने का मौका होता था।' तमन्ना ने बताया कि गाने गफूर की शूटिंग के दौरान वह फिल्म रेंजर के गाने की शूटिंग भी कर रही थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे सिर्फ छह घंटे की नींद मिली थी। मैं रेंजर का गाना शूट करके आई थी और गफूर के लिए रिहर्सल करने का भी समय नहीं मिला, क्योंकि मैं दूसरे गाने की तैयारी में व्यस्त थी।'

ऐक्टिंग-डांस हैं अहम

तमन्ना का मानना है कि आज बॉलिवुड में अभिनय व डांस को अलग-अलग गुणों की तरह देखा जाता है। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार के लिए अभिनय-डांस एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए, न कि अलग-अलग पहचान।'

पितांबरी ने लॉन्च की 'देवभक्ति अगरबत्ती' रितेश देशमुख बने ब्रांड एम्बेसडर

मुंबई: देश के विश्वसनीय और लोकप्रिय एफएमसीजी ब्रांड पितांबरी ने असली फूलों की प्राकृतिक सुगंध से भरपूर 'पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती' को राष्ट्रीय बाजार में लॉन्च किया है। इस अवसर पर कंपनी ने अपने नए विज्ञापन अभियान का भी शुभारंभ किया, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता, निर्देशक और निर्माता रितेश देशमुख ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नजर आएंगे।

प्राकृतिक तत्वों से निर्मित और असली फूलों की सुगंध वाली पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती की सबसे बड़ी विशेषता है। लंबे समय तक रहने वाली प्राकृतिक खुशबू और कम धुएं के कारण यह अगरबत्ती पूजा के वातावरण को अधिक शांत और सुखद बनाती है। यह चंदन, मोगरा, गुलाब और चंपा जैसी प्राकृतिक सुगंधों में उपलब्ध है।



(बाएं से) डॉ. रविंद्र प्रभुदेसाई, मैनेजिंग डायरेक्टर, पितांबरी प्रोडक्ट्स प्रा. लि.; अभिनेता, निर्देशक एवं निर्माता रितेश देशमुख, परिक्षित प्रभुदेसाई, वाइस चेयरमैन, पितांबरी प्रॉडक्ट्स प्रा. लि और प्रिया प्रभुदेसाई, डायरेक्टर, पितांबरी प्रॉडक्ट्स प्रा. लि।

यह विज्ञापन अभियान इस भावना पर आधारित है कि 'ईश्वर हर पल हमारे साथ है, हमें मार्गदर्शन करते हैं और आशीर्वाद देते हैं।' भारतीय घरों में हर दिन की शुरुआत पूजा और प्रार्थना से होती है। विक्रेता चालक, चायवाला, दुकानदार या पूरा परिवार; हर कोई नई उम्मीद और अटूट श्रद्धा के साथ दिन की शुरुआत करता है। पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती की प्राकृतिक सुगंध हर प्रार्थना को ईश्वर से जोड़ती है। 'ये देश जागता है नई उम्मीद और नए सपनों के साथ' इस अभियान का मुख्य संदेश है, जबकि 'जहां श्रद्धा और भक्ति, वहां महके पितांबरी देवभक्ति' इसकी टैगलाइन है। इस अभियान का निर्माण और निर्देशन महेश लिमये की ली प्रोडक्शंस ने तथा पितांबरी की क्रिएटिव टीम के सहयोग से किया गया है।

इस अवसर पर रितेश देशमुख ने कहा, 'पितांबरी एक विश्वसनीय और भारतीय परंपराओं से जुड़ा ब्रांड है। इस अभियान से जुड़कर भारतीय संस्कृति में श्रद्धा और भक्ति के महत्व को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए गर्व और खुशी की बात है। मुझे विश्वास है कि देवभक्ति की प्राकृतिक सुगंध इसे देशभर के हर घर की दैनिक पूजा का अभिन्न हिस्सा बनाएगी।'

पितांबरी प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रविंद्र प्रभुदेसाई ने कहा, 'ईश्वर पर मेरी गहरी आस्था है। भारतीय संस्कृति में प्रार्थना का खास महत्व है। पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती के जरिए, हमारी कोशिश असली फूलों की प्राकृतिक खुशबू के साथ पूजा के अनुभव को और पवित्र और सुखद बनाना है। हमें विश्वास है कि यह अगरबत्ती पूरे देश में ग्राहकों की दैनिक पूजा का एक अहम हिस्सा बनेगी।'

कंपनी के वाइस चेयरमैन परिक्षित प्रभुदेसाई ने कहा, 'हमारे मजबूत वितरण नेटवर्क के कारण पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती देशभर में आसानी से उपलब्ध होगी। असली फूलों की प्राकृतिक सुगंध से युक्त यह भारत की पहली मास-प्रोड्यूस्ड अगरबत्तियों में से एक है। अपनी शुद्धता, उत्कृष्ट गुणवत्ता और उचित मूल्य के कारण यह उपभोक्ताओं की पहली पसंद बनेगी और देशभर में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगी।'

पितांबरी प्रोडक्ट्स प्रा. लि. की डायरेक्टर प्रिया प्रभुदेसाई ने कहा, 'प्रिंट, टेलीविजन और डिजिटल माध्यमों के जरिए हमारा उद्देश्य देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचना और पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती को हर घर की दैनिक पूजा का अभिन्न हिस्सा बनाना है।'

देशभर में उपलब्ध पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती के साथ कंपनी ने राष्ट्रीय अगरबत्ती बाजार में दमदार शुरुआत की है। पितांबरी को विश्वास है कि प्राकृतिक सुगंध, उत्कृष्ट गुणवत्ता और भारतीय आस्था से जुड़ी पितांबरी देवभक्ति अगरबत्ती देशभर के उपभोक्ताओं की दैनिक पूजा का अभिन्न हिस्सा बनेगी।

ब्रेक से पहले शूटिंग पूरी करेंगी दीपिका

@deepikapadukone



आजकल दीपिका पादुकोण साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म राका की शूटिंग में काफी बिजी हैं। दूसरी ओर वह प्रेग्नेंट भी हैं। नई रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका सितंबर में मैटरनिटी ब्रेक पर जाने से पहले राका के अपने जरूरी हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेंगी। वह इन दिनों मुंबई में फिल्म के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, निर्देशक एटली ने शुरुआत से ही शूटिंग का शेड्यूल इस तरह बनाया था कि दीपिका सबसे पहले अपना हिस्सा पूरा कर सकें। बताया जा रहा है कि मैटरनिटी ब्रेक के बाद वह जनवरी 2027 में अपने जन्मदिन के आसपास फिल्म के सेट पर लौटेंगी। उस समय वह बचा हुआ प्रमोशनल शूट और फिल्म के दूसरे हिस्से की शूटिंग करेंगी। गौरतलब है कि उन्होंने अप्रैल में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी।